Series : EGHF4

SET~2

रोल नं.

Roll No.

प्रश्न-पत्र कोड **3/4/2**

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।

(II) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं।

(III) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथास्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (अ)
HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **चार** खंड हैं– **खंड क, ख, ग, घ**।*

(iii) ***खंड– 'क'*** *में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है।*

(iv) ***खंड– 'ख'*** *में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है।*

(v) ***खंड– 'ग'*** *में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है।*

(vi) ***खंड– 'घ'*** *में कुल **4** प्रश्न हैं।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है, यद्यपि, कुछ खंडों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(viii) *यथासंभव सभी खंडों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खंड 'क'

(अपठित बोध) 14

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 7

आदमी का स्वप्न? है वह बुलबुला जल का,
आज उठता और कल फिर फूट जाता है,
किंतु फिर धन्य, ठहरा आदमी ही तो
बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है।

मैं न बोला, किंतु मेरी रागिनी बोली
देख फिर से चाँद! मुझको जानता है तू
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं? है यही पानी
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू?

मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाती हूँ,
और उस पर नींव रखती हूँ नए घर की,
इस तरह दीवार फौलादी उठाती हूँ।

मनु नहीं, मनु–पुत्र है यह सामने, जिसकी,
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
बाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है।

(i) **कॉलम–1** को **कॉलम–2** से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प छाँटकर लिखिए : **1**

कॉलम–1	**कॉलम–2**
(1) चाँद	(I) स्वप्न
(2) रागिनी	(II) सत्ताधारी निरंकुश शासक
(3) बुलबुले	(III) लेखनी/कविता

विकल्प :

(A) (1-II), (2-I), (3-III)

(B) (1-II), (2-III), (3-I)

(C) (1-III), (2-I), (3-II)

(D) (1-I), (2-III), (3-II)

(ii) आज का मानव अपने पूर्वजों से भिन्न कैसे है? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए : **1**

(A) वह अपनी कल्पना को सच कर सकता है।

(B) वह विचारों से अत्यंत विवेकशील है।

(C) वह अपने सपने को साकार करना जानता है।

(D) वह सिर्फ सपने देखना ही जानता है।

(iii) काव्यांश में 'नए घर की नींव रखने' से क्या अभिप्राय है? **1**

(A) नवीन मान्यताओं को स्वीकारना

(B) नए घर का निर्माण करना

(C) नए घर का आधार बनाना

(D) नए समाज की रचना करना

(iv) काव्यांश का मूल भाव **25–30** शब्दों में लिखिए। **2**

(v) काव्यांश में मानव को धन्य क्यों कहा गया है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। **2**

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **7**

लोक साहित्य का सृजक लोक ही है इसीलिए उसमें लोकजीवन की आत्मगाथा समाहित होती है। लोक साहित्य मानव जीवन जितना ही प्राचीन है। अपने जन्म के साथ ही मनुष्य ने कथाएँ कहनी शुरू कर दी थीं– यथार्थपरक भी और काल्पनिक भी। इन कथाओं में उसके अपने अनुभव की कथाएँ हैं। साथ ही अपने तत्कालीन समय और समाज की घटनाओं तथा कथाओं का समावेश है। समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदमताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा है। लोक साहित्य समय के साथ यात्रा करता आया है और परिवर्तनों को स्वीकारता रहा है।

लोक साहित्य की यह सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह परंपराओं का ध्यान रखते हुए भी रूढ़ियों को पकड़कर एक जगह ठहरता नहीं। वह समय के साथ चलता है और समय के सच से साक्षात्कार कराते हुए कभी-कभी समय से आगे चलता भी दिखता है। तभी कहा जाता है कि किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहाँ के लोक साहित्य को जानना आवश्यक है। क्योंकि उसमें संस्कृति का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

लोक साहित्य में लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि सभी रूप शामिल हैं। इनकी भाषा इतनी सहज–सरल–सरस होती है कि वे लोककंठों में बस जाती हैं। आज के आत्ममुग्ध और आत्म–प्रचार के समय में हम लोक साहित्य सृजकों के आत्म–प्रचार से दूर रहने की मनःस्थिति पर विस्मय ही कर सकते हैं। अपनी प्रसिद्धि, मान–सम्मान या अपने नाम के प्रचार की लालसा का भाव उनमें लेशमात्र भी नहीं था। अपनी रचनाओं में भी वे ऐसा संकेत करने से बचते रहे, जिससे उनकी पहचान की जा सके। अपने नाम के प्रचार के मोह से वे पूरी तरह मुक्त थे।

(i) लोक साहित्य में बदलाव क्यों होते रहते हैं? **1**

(A) बदलाव से इनमें नवीनता बनी रहती है

(B) इसके आधार, समाज में बदलाव होते रहते हैं

(C) मनुष्य की कल्पनाएँ नए–नए रूप धारण करती हैं

(D) एक ही तरह का साहित्य नीरसता पैदा करता है

(ii) लोक साहित्य के संबंध में अनुपयुक्त विकल्प है– **1**

(A) लोक साहित्य का संबंध तत्कालीन समाज की परंपराओं से होता है।

(B) लोक साहित्य के माध्यम से किसी समाज–देश की संस्कृति को जाना जा सकता है।

(C) लोक साहित्य का सृजन समाज के एक वर्ग विशेष द्वारा किया जाता है।

(D) लोक साहित्य समय के साथ आ रहे बदलाव के प्रति ग्रहणशील होता है।

(iii) निम्नलिखित **कथन** और **कारण** को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

कथन– लोक साहित्य रूढ़िवाद का समर्थक होता है।

कारण– यथार्थ और कल्पना पर आधारित होने के कारण इनमें बदलाव संभव नहीं है।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(iv) लोक साहित्य और संस्कृति को अंतर्संबंधित क्यों बताया गया है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। **2**

(v) लोक साहित्य सृजक अन्य साहित्य सृजकों से भिन्न कैसे होते हैं? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। **2**

खंड 'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण) **16**

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4×1 = 4**

(i) शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।
(संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ii) माना जा सकता है कि वे संस्कृत बोल सकती थीं।
(सरल वाक्य में बदलिए)

(iii) वह स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था।
(रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(iv) जब मैं घर पहुँची तब रात हो चुकी थी।
(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(v) 'पानी बचाओ' विषय से जुड़े विज्ञापनों को एकत्रित कीजिए।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4×1 = 4**

(i) पिताजी ने मन्नू भंडारी को बधाई दी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ii) उनके दकियानूसी मित्र द्वारा मेरी खूब बुराई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iii) तुमसे ठीक से कूदा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

(iv) कहानी कवि की सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करती है।
(कर्मवाच्य में बदलिए)

(v) किस वाच्य में प्रायः असमर्थता प्रकट करने वाली क्रियाओं का प्रयोग होता है?

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : **4×1 = 4**

(i) उन्होंने बताया कि संगीत एक आराधना है।

(ii) वे बेहद कोमल और संवेदनशील थे।

(iii) 'नेताजी का चश्मा' नामक कहानी स्वयं प्रकाश जी ने लिखी है।

(iv) रामवृक्ष बेनीपुरी की भाषा सहज, प्रवाहमयी तथा प्रसंगों से भरी हुई है।

(v) पान वाले ने पीछे की तरफ मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : **4×1 = 4**

(i) उस काल मारे क्रोध के तन काँपने उसका लगा।
मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।

(ii) धँस गए धरा में सभय शाल

(iii) गुरु चरणकमल बलिहारी रे।
मेरे मन की दुविधा टारी रे।

(iv) उदाहरण देकर 'अतिशयोक्ति अलंकार' को स्पष्ट कीजिए।

(v) सागर-सा गंभीर हृदय हो,
गिरि-सा ऊँचा हो जिसका मन।

खंड 'ग'

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित) 30

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहज़ीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

(i) काशी में हनुमान की उपासना किस रूप में होती है?

(A) कलाओं के स्वामी के रूप में

(B) नृत्य के जनक के रूप में

(C) शिव के अवतार के रूप में

(D) एक अच्छे कलाकार के रूप में

(ii) गद्यांश के अंतिम वाक्य में काशी की किस विशेषता का उल्लेख किया गया है?

(A) समन्वयात्मकता

(B) संगीतात्मकता

(C) भव्यता

(D) सहृदयता

(iii) इस गद्यांश का उद्देश्य है :

(A) काशी के संगीतकारों का परिचय देना

(B) विभिन्न राग-रागिनियों का परिचय देना

(C) काशी की सांस्कृतिक परंपरा का परिचय देना

(D) बिस्मिल्ला खाँ के धार्मिक-सौहार्द का परिचय देना

(iv) काशी को 'संस्कृति की पाठशाला' क्यों कहा गया है?

(A) यहाँ के शिक्षण संस्थान शास्त्रीय गायन को बहुत प्रोत्साहित करते हैं।

(B) यहाँ के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में 'संस्कृति', विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।

(C) यहाँ के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में 'संस्कृत' अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।

(D) यहाँ सर्वत्र भारतीय संस्कृति की छाप देखी जा सकती है।

(v) निम्नलिखित **कथन** तथा **कारण** को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : संगीत और संगीत-प्रेम काशी की पहचान है।

कारण : काशी को उसकी ऐसी पहचान देने में सिर्फ बिस्मिल्ला खाँ का ही योगदान है।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

8. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिन काज करिअत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहस्रबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(i) परशुराम ने अपना परिचय क्या कहकर दिया?

(A) मैं क्षत्रिय कुल का प्रसिद्ध संरक्षक हूँ।

(B) मैं अत्यंत उग्र स्वभाव का हूँ।

(C) मैं सहस्रबाहु का संरक्षक हूँ।

(D) मैं ब्राह्मण कुल का संहारक हूँ।

(ii) पद्यांश में 'जड़' का अर्थ है :

(A) मूल

(B) स्रोत

(C) नींव

(D) मूर्ख

(iii) लक्ष्मण की वाणी कैसी थी?

(A) व्यंग्यपूर्ण – भयपूर्ण

(B) गंभीर – भयपूर्ण

(C) व्यंग्यपूर्ण – भयरहित

(D) भयपूर्ण – हास्यपूरित

(iv) पद्यांश में बाल ब्रह्मचारी किसे कहा गया है?

(A) परशुराम को

(B) लक्ष्मण को

(C) रघुपति को

(D) महिदेव को

(v) निम्नलिखित **कथन** और **कारण** को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : लक्ष्मण का परशुराम के प्रति व्यवहार कोमलता से भरा और विनम्र था।

कारण : लक्ष्मण परशुराम के विचार, आचार और व्यक्तित्व से अत्यंत प्रभावित थे।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

9. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25–30** शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(i) 'संगतकार' कविता से उद्धृत पंक्ति ''वह आवाज़ सुंदर काँपती हुई थी'' में कवि ने संगतकार की आवाज़ सुंदर किंतु काँपती हुई–सी क्यों कहा है?

(ii) 'अट नहीं रही है' कविता का कोई अन्य शीर्षक दीजिए तथा उसका कारण भी स्पष्ट कीजिए।

(iii) कवि ने 'फसल' को पानी का जादू क्यों कहा है?

(iv) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि न तो अपने जीवन के दुःख और विफलताओं से दूसरों को परिचित कराना चाहता है और न ही अपनी सुखद स्मृतियों को किसी के साथ साझा करना चाहता है। कवि की इस सोच के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

10. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25–30** शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(i) 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक का नवाब साहब के प्रति आरंभ से अंत तक व्यवहार अकड़ से भरा क्यों रहा?

(ii) ''अपनी जिंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत पड़ोस कल्चर से विछिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।''– 'एक कहानी यह भी' से उद्धृत इस कथन में लेखिका ने किस 'पड़ोस कल्चर' का उल्लेख किया है?

(iii) हालदार साहब का हर बार कस्बे से गुजरते हुए मूर्ति के पास रुकना क्या दर्शाता है? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

(iv) पुत्र की मृत्यु पर बालगोबिन भगत के शोक मनाने का तरीका सामान्य लोगों के तरीके से सर्वथा अलग कैसे था? स्पष्ट कीजिए।

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50–60** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(i) आजकल के बच्चों के खेल भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेलों से किस रूप में भिन्न हैं? आपको दोनों में से ज्यादा रुचिकर क्या लगता है? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

(ii) लिखकर स्वयं को कैसे जाना जा सकता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(iii) 'साना-साना हाथ जोड़ि..' में लेखिका को कब और क्यों यह अनुभव हुआ कि तमाम भौगोलिक विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भारत की आत्मा एक ही है?

खंड 'घ'

(रचनात्मक लेखन) 20

12. (i) आप रंजना/राजन हैं। संयमित और स्वस्थ जीवन शैली का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ii) आपके पिताजी का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया है। नए विद्यालय में प्रवेश हेतु आपको चरित्र प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। इस हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए। आपका नाम रंजना / राजन है। **5**

13. (i) आप नीलाक्षी/नीलकांत हैं। स्थानीय शॉपिंग सेंटर में कंप्यूटर ऑपरेटर का पद रिक्त है और आप स्वयं को उस पद के योग्य मानते हैं।

उपर्युक्त पद हेतु आवेदन करने के लिए लगभग **80** शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। **5**

अथवा

(ii) आप नीलाक्षी/नीलकांत हैं। आपके पिताजी का पैन कार्ड कहीं खो गया है। इस संबंध में आयकर अधिकारी को अपने पिताजी की ओर से लगभग **80** शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। **5**

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **120** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **6**

(i) जलवायु परिवर्तन : गहराता संकट

संकेत बिंदु – • जलवायु परिवर्तन क्या है?

• जलवायु परिवर्तन के कारण

• समस्या एवं समाधान

(ii) नारी सशक्तीकरण

संकेत बिंदु – • नारी सशक्तीकरण का अर्थ

• वर्तमान में इसकी आवश्यकता क्यों?

• भारत में स्थिति एवं सुझाव

(iii) नैतिक शिक्षा : आज की आवश्यकता

संकेत बिंदु – • नैतिक शिक्षा का अर्थ

• वर्तमान में इसकी आवश्यकता क्यों?

• प्रभाव एवं सुझाव

15. (i) ऊर्जा संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग **40** शब्दों में तैयार कीजिए। **4**

अथवा

(ii) आपकी बड़ी बहन की पदोन्नति कैप्टन से मेजर के रूप में हुई है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग **40** शब्दों में संदेश लिखिए। **4**

अंकन योजना

अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2025

कक्षा- 10 वीं   विषय: हिंदी (A)   विषय कोड- 002   प्रश्न पत्र कोड- 3/4/2

सामान्य निर्देश:

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2.	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4.	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच

	ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।
6.	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
7.	यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
8.	यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
9.	यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।
10.	एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।
11.	यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।
12.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
13.	नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें– • उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना • उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना • उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना • उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना • आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि • आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि

	• कुल अंकों के योग में अशुद्धि • प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना • उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना • उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो) • उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।
14.	उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15.	उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16.	सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।
17.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2025
प्रश्न पत्र कोड: 3/4/2

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	[खंड - क] (<u>अपठित बोध</u>)	14
1.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) (1-II), (2-III), (3-I)	1
(ii)	(D) वह सिर्फ सपने देखना ही जानता है।	1
(iii)	(D) नए समाज की रचना करना	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **मूल भाव** लिखेंगे- • मानव के दृढ़निश्चय, विचार, विवेक, सृजनशीलता और साहस का उल्लेख • सपने देखना और सपनों को साकार करना • नए समाज के निर्माण की आकांक्षा • कल्पना को यथार्थ में बदलने का हौसला (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * मूल-भाव नहीं लिख पाने परंतु काव्यांश के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, **जैसे** - • सपनों को हकीकत में बदलने के साहस के कारण • बार-बार टूटने पर भी सपने देखना न छोड़ने के कारण • जीवन की अनिश्चितता और संघर्षों के बीच अपनी रचनाशीलता को बनाए रखने के कारण *कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक)	2

	------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) इसके आधार ,समाज में बदलाव होते रहते हैं।	1
(ii)	(C) लोक साहित्य का सृजन समाज के एक वर्ग विशेष द्वारा किया जाता है।	1
(iii)	(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • लोक साहित्य किसी भी देश व समाज की संस्कृति को जानने-समझने का महत्त्वपूर्ण माध्यम • लोकजीवन की ही अभिव्यक्ति • संस्कृति का सच्चा स्वरूप • अपने समय एवं समाज की घटनाओं और कथाओं का वर्णन *कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • आत्ममुग्धता का भाव नहीं • प्रसिद्धि,मान-सम्मान की लालसा से परे • आत्मप्रचार / नाम के प्रचार के मोह से सर्वथा मुक्त • रचनाओं में अपनी पहचान का कोई संकेत देने से बचना * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------	2

	*असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	शहनाई की आवाज़ जादुई होती है और उसका असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।	1
(ii)	उनके संस्कृत बोल सकने की बात मानी जा सकती है।	1
(iii)	सरल वाक्य	1
(iv)	जब मैं घर पहुँची- क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य	½+½ = 1
(v)	ऐसे विज्ञापनों को एकत्रित कीजिए जो 'पानी बचाओ' विषय से जुड़े हों। अथवा जो विज्ञापन 'पानी बचाओ' विषय से जुड़े हैं उन्हें एकत्रित कीजिए |	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	पिताजी द्वारा मन्नू भंडारी को बधाई दी गई।	1
(ii)	उनके दकियानूसी मित्र ने मेरी खूब बुराई की।	1
(iii)	भाववाच्य	1
(iv)	कहानी द्वारा कवि की सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त किया जाता है।	1
(v)	भाववाच्य	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(i)	उन्होंने - सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक,	1
(ii)	और – अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, कोमल और संवेदनशील पदों को जोड़ना	1
(iii)	नेताजी का चश्मा – संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन	1
(iv)	सहज – विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'भाषा' विशेष्य	1

(v)	पीछे की तरफ – अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'मुड़कर' क्रिया की विशेषता	1
6.	निर्देशानुसार 'अलंकार'' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
(ii)	मानवीकरण अलंकार	1
(iii)	रूपक अलंकार	1
(iv)	अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ :** एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।	1
(v)	उपमा अलंकार	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	30
7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(A) कलाओं के स्वामी के रूप में	1
(ii)	(A) समन्वयात्मकता	1
(iii)	(C) काशी की सांस्कृतिक परंपरा का परिचय देना	1
(iv)	(D) यहाँ सर्वत्र भारतीय संस्कृति की छाप देखी जा सकती है।	1
(v)	(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।	1
8.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(B) मैं अत्यंत उग्र स्वभाव का हूँ।	1
(ii)	(D) मूर्ख	1
(iii)	(C) व्यंग्यपूर्ण - भयरहित	1
(iv)	(A) परशुराम को	1
(v)	(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।	1
9.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6

(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक **बिंदु** में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • संगतकार की आवाज़ सुरीली परंतु मुख्य गायक की तुलना में कम सधी और कम अनुभवी • मुख्य गायक का साथ देते हुए उसकी आवाज़ पर अपनी आवाज़ को हावी न होने देने की कोशिश के कारण * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * उपयुक्त उत्तर नहीं लिख पाने परंतु संगतकार की आवाज़ के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी कविता के लिए स्वतंत्र रूप से कोई एक उपयुक्त शीर्षक देकर उसका कारण लिखेंगे, **जैसे**- **अन्य शीर्षक** – फाल्गुन, फागुन, वसंत, आया वसंत जैसे शीर्षक; **कारण** - कविता में वसंत ऋतु/फाल्गुन मास के दौरान के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण * उपयुक्त शीर्षक एवं कारण दोनों लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * केवल कोई अन्य शीर्षक लिखने अथवा * उपयुक्त शीर्षक न होने पर भी कारण सहित कोई एक शीर्षक देने के प्रयास पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • फसलों के उत्पादन और पोषण में पानी की महत्त्वपूर्ण भूमिका • पानी में फसलों की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व • पानी से ही फसल में हरियाली और नवजीवन का संचार	2

	• नदियों के जल के साथ उपजाऊ मिट्टी के आने से जादू के समान फसल की पैदावार (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) *कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iv)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • जीवन के उतार-चढ़ाव और विफलताओं के बारे में अपने मित्रों या औरों को बताकर वह उनके उपहास का पात्र नहीं बनना चाहता • अतीत के घाव पुनः हरे हो जाने और उससे होने वाली पीड़ा से बचना • उसके जीवन की सुखद स्मृतियाँ नितांत निजी • सुखद स्मृतियाँ उसके संघर्षपूर्ण जीवन में अवलंब की तरह *दो कारणों सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *एक कारण लिखने पर अथवा उपयुक्त कारण नहीं लिख पाने परंतु कवि के भावों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • लेखक के डिब्बे में आने पर नवाब साहब द्वारा अनदेखा किया जाना • लेखक से बातचीत की उत्सुकता न दिखाना • लेखक के प्रति नवाब साहब का उपेक्षापूर्ण व्यवहार • लेखक द्वारा आत्मसम्मान की रक्षा का प्रयास *कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक)	2

	------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी **लेखिका के बचपन के परंपरागत पड़ोस कल्चर** के बारे में **दो** उपयुक्त बिंदुओं में लिखेंगे - • घर की सीमा का विस्तार मोहल्ले तक • पूरा मोहल्ला एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदार • पड़ोसियों के बीच परस्पर प्रेम और पारिवारिक संबंध • संबंधों में स्नेह और विश्वास (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) *कोई दो बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	पाठ के संदर्भ में स्वतंत्र, तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य, **जैसे**- • मूर्ति पर बदलते चश्मे को देखने की उत्सुकता और कौतूहल * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * उपयुक्त उत्तर नहीं लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iv)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **किसी एक** बिंदु को स्पष्ट करते हुए उत्तर लिखेंगे- • बेटे की मृत्यु पर शोक न मना कर आत्मा-परमात्मा के मिलन का उत्सव मनाना • बेटे के शव के पास बैठकर विलाप करने की जगह तल्लीनता से कबीर के पद गाना • अपनी पुत्रवधू को भी शोक की जगह परमात्मा से मिलन का आनंदोत्सव मनाने के लिए	2

	कहना * सामान्य लोगों से भगत के तरीके की भिन्नता को स्पष्ट करते हुए उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ *किसी एक बिंदु का मात्र उल्लेख करने पर अथवा * उपयुक्त उत्तर न लिख पाने परंतु पाठ में वर्णित बालगोबिन भगत के पुत्र की मृत्यु की घटना का उल्लेख करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(i)	प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ में वर्णित खेलों और वर्तमान खेलों के बीच कोई **एक** अंतर लिखेंगे- • पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ का साथियों के साथ मिलकर खेलना थ ; आज के बच्चे मोबाइल/कंप्यूटर की अपनी स्क्रीन पर) • पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि से निर्मित • परिवेश में उपलब्ध चीज़ों से ही खेलना; बाज़ार से महँगी सामग्री खरीदना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए **व्यक्तिगत दृष्टिकोण** से उपयुक्त **स्वतंत्र और तर्कपूर्ण** उत्तर लिखेंगे। *प्रश्न के दोनों हिस्सों के उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+2=4 अंक) ------------------------------ * किसी एक भिन्नता को विस्तार से लिखने परंतु प्रश्न के दूसरे हिस्से में उपयुक्त तर्कसम्मत विचार न लिख पाने पर अथवा * पाठ के खेलों या आजकल के खेलों में से किसी एक का वर्णन करते हुए अपने उपयुक्त तर्कसम्मत विचार विस्तार से लिखने पर (3 अंक) ------------------------------	4

	* किसी एक भिन्नता का वर्णन करने **अथवा** केवल अपने उपयुक्त तर्कसम्मत विचार लिखने पर अथवा * प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न लिखते हुए उत्तर पाठ में वर्णित खेलों और आजकल के खेलों का अलग अलग विस्तृत वर्णन मात्र करने पर अथवा *केवल अपनी पसंद के खेलों के बारे में विस्तार से लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ *केवल एक भिन्नता का संक्षिप्त उल्लेख करने पर अथवा * पाठ में वर्णित किसी एक खेल के बारे में संक्षेप में लिख देने पर अथवा * अपनी पसंद के किसी खेल के बारे में संक्षेप में उल्लेख कर देने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में और अपने व्यक्तिगत विचारों से **दो** उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** • लिखकर ही आंतरिक विवशता की पहचान संभव • लिखने से अंतर्मन की वास्तविक व्यथा, दुविधा, द्वंद्व से मुक्त होना अथवा उसके समाधान तक पहुँचना संभव • लिखने से अपने आंतरिक जीवन के विभिन्न स्तरों, मन की विविध परतों को समझ पाना संभव *किन्हीं दो बिंदुओं का विस्तार से उल्लेख करने पर (2+2= 4 अंक) ------------------------------ *किसी एक बिंदु का विस्तारपूर्वक वर्णन करने एवं एक बिंदु का उल्लेख करने पर (3 अंक) ------------------------------ *किन्हीं दो बिंदुओं का केवल उल्लेख करने पर अथवा *किसी एक बिंदु का विस्तारपूर्वक उल्लेख करने पर (2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4

(iii)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **कब** - सिक्किम के कवी-लोंग स्टॉक के पास एक कुटिया के भीतर घूमता धर्म चक्र देखकर; **क्यों** - लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास एक समान पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी *प्रश्न के दोनों हिस्सों के उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+3= 4 अंक) ------------------------------ *पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने एवं दूसरे हिस्से के उत्तर का पर्याप्त विस्तार नहीं कर पाने पर अथवा पहले हिस्से का उत्तर न लिखने और दूसरे हिस्से का विस्तारपूर्वक उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा पहले हिस्से का गलत उत्तर लिखने और दूसरे हिस्से का विस्तारपूर्वक उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ *पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने एवं दूसरे हिस्से के लिए पाठ के आधार पर थोड़े बहुत वाक्य लिख पाने पर अथवा *पहले हिस्से का उत्तर न लिखने एवं दूसरे हिस्से के उत्तर का पर्याप्त विस्तार नहीं करने पर अथवा * पाठ से लेखिका के धार्मिक स्थानों के भ्रमण और चिंतन की घटना का उल्लेख करने पर (2 अंक) ----------------------------- * पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने परंतु दूसरे हिस्से का उत्तर न लिख पाने पर अथवा *पहले हिस्से का उत्तर न लिखने एवं दूसरे हिस्से के लिए पाठ के आधार पर थोड़े बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
	[खंड - घ] **(रचनात्मक लेखन)**	20
12.	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित :	5

	पत्र-लेखन : • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	
13. (i) अथवा (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन अपेक्षित : **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। **औपचारिक ई-मेल:** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश:-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5

14.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन** : • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	6
15. (i) अथवा (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन अपेक्षित - **विज्ञापन-लेखन :** • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **संदेश-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • संदेश लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	4